Awareness Programme in the Village

आज दिनांक 15-11-2014 को जिम्प पायनियर स्कूल ,पीतांबरपुर, आर्केडिया-ग्रांट ,देहरादून में प्रात: 10.30 बजे ग्रामवासियों, क्षेत्र-प्रतिनिधियों व कक्षा 1 से लेकर कक्षा 10 तक के 32 विद्ध्यार्थियों द्वारा निम्न विषयों में एक विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया:-

1-पॉलिथीन का उपयोग व उसके दुष्प्रभाव तथा रिसायकलिंग |

2-ग्लोबल वार्मिंग |

3-ओज़ोन परत|

4-कूड़े-कचरे के प्रकार व उसकी रिसायकलिंग के तरीके |

5-स्वच्छता व स्वास्थ्य |

पॉलिथीन के उपयोग के बारे में बोलते हुए मुख्य अतिथि श्री शिव प्रसाद देवली (सामाजिक कार्यकर्ता)ने कहा कि हमारे किसानों की जमीन पर भी इसका दुष्प्रभाव पड़ा है और उत्पादन क्षमता घट रही है। पॉलीथिन के छोटे से लेकर बड़े पैक कचरों में तब्दील होने के बाद यहां-वहां फेंके जा रहे है, इससे हमारे आसपास का वातावरण दूषित हो रहा है इन्हें जलाने से निकलने वाली गैस हमारे स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचा रही है |

विद्ध्यार्थियों ने अपने विचारों को प्रोजेक्टर की सहायता से पॉलिथीन री-साइकलिंग की कई फिल्में दिखाकर कहा कि पॉलिथीन की अलग प्रोसेस से री-साइकलिंग करके इसका इस्तेमाल सड़क बनाने में व बिजली बनाने में किया

जा सकता है ।बगैर री-साइकल होने वाले डि-कंपोजेबल वेस्ट से ऑर्गेनिक खाद बनाई जा सकती है |

श्री कुन्दन सिंह रावत (अवकाश प्राप्त खंड शिक्षा अधिकारी) ने कहा कि औद्ध्योगीकृत कृषि कम लागत में खाद्य उत्पादन को बढ़ाती है लेकिन बार-बार प्रयोग करने से पृथ्वी की उर्वरा क्षमता कम हो जाती है ।अत: औद्ध्योगीकृत कृषि को कम करना होगा और जैविक कृषि को अपनाना होगा|

विशिष्ट अतिथि श्री आई डी शर्मा(अवकाश प्राप्त डिप्टी कमांडेंट सी आर पी एफ) ने कहा हमें बड़े बांधों के निर्माण को रोकना होगा। बांध पर्यावरण हेतु घोर संकट पैदा करते हैं क्योंकि यह कृषि योग्य भूमि, जंगल व देशज लोगों की सांस्कृतिक-आर्थिक परिस्थिति का विनाश करता है तथा इससे उत्पन्न असंतुलन एक भयावह संकट को जन्म देता है।

श्री बलवंत सिंह नेगी (संयोजक धरती बचाएं धरती सजाएँ) ने कहा कि झूम खेती कृषि प्रणाली पर नियंत्रण स्थापित करना होगा व वनों के काटने वालों को कठोर दण्ड तथा वृक्षारोपण के कार्यक्रम को अनवरत जारी रखना होगा।साथ ही विषैले पदार्थों व रेडियोधर्मी कचरे के बढ़ते बाजार को रोकना होगा क्योंकि ये पर्यावरण को प्रदूषित करते हैं।

क्षेत्र-प्रतिनिधियों(बी डी सी सदस्य,पंचायत सदस्यों) ने स्वच्छता व स्वास्थ्य पर बोलते हुए कहा कि सफाई अभियान को सड़कों के बजाय घरों से शुरू किया जाए। साथ ही कचरे के संकलन और निष्पादन के लिए ग्राम स्तर पर ग्रामीण निकाय द्वारा प्रयास किए जाने चाहिए। हर गांव-कस्बे में पाइप के जरिए जलप्रदाय की प्रणाली विकसित की जानी चाहिए । एक स्वच्छ भारत के लिए कचरे के संकलन और निष्पादन की एक पेशेवर प्रणाली भी विकसित करना होगी। इस प्रणाली को

तो केंद्रीयकृत होने की भी जरूरत नहीं है और इसे वार्ड या मोहल्ला स्तर पर भी अच्छे से चलाया जा सकता है।

प्रधानाचार्य श्री जगदीश पांडे ने ओज़ोन परत के बारे में ग्राम-वासियों को समझाया और कहा कि ओजोन परत के प्रति आम लोगों को जागरूक होना पड़ेगा | धरती के इस कवच को बचाने के लिए हमें अधिक से अधिक पेड़ लगाने होंगे वहीं उर्जा की खपत भी घटानी जरूरी है। इसके अलावा पर्यावरण अनुकूल उत्पादों और वस्तुओं के इस्तेमाल पर जोर देकर भी हम इसके संरक्षण में अपना योगदान दे सकते हैं।

इस अवसर पर सभी शिक्षक-शिक्षिकाएँ उपस्थित थे|

Click for Photos here

श्री जगदीश पांडे

प्रधानाचार्य
जिम्प पायनियर स्कूल
स्थान-ग्राम- पीतांबरपुर
पोस्ट-बड़ोंवाला ,आर्केडिया-ग्रांट
देहरादून,फोन-08958575612